Chapter 3

bihar board 9 class history notes फ्रांस की क्रांति

फ्रांस की क्रांति

महत्वपूर्ण तथ्य-अमेरिकी क्रांति के पश्चात् फ्रांस की क्रांति यूरोप के इतिहास में एक युगान्तकारी घटना थी जिसने राजतंत्र के युग को समाप्त कर जनतंत्र के महत्वपूर्ण सिद्धान्तों की स्थापना की । फ्रांस की क्रान्ति के कुछ महत्वपूर्ण कारण:-

(i) लुई सोलहवें की निरंकुश, फिजूलखर्च तथा अयोग्य शासन-व्यवस्था ।

(ii) कुलीन वर्ग द्वारा मध्यम वर्ग की अपमान करने की आदतों के कारण भड़का असंतोष।

(iii) विदेशी युद्ध अपव्यय तथा फिजूलखर्ची के कारण फ्रांस की डाँवांडोल आर्थिक स्थिति।

(iv) सैनिकों को कम वेतन, कठोर अनुशासन तथा खराब भोजन के कारण उपजा असंतोष।

(v) भाषण, लेखन, विचार की अभिव्यक्ति, धार्मिक तथा अन्य सभी प्रकार की स्वतंत्रता का पूर्ण अभाव होना ।

(vi) विभिन्न बुद्धिजीवियों, अर्थशास्त्रियों तथा लेखकों के द्वारा समाज में आर्थिक शोषण एवं आर्थिक नियंत्रण की कड़ी आलोचना ।

(vii) विभिन्न विदेशी घटनाओं का जैसे इंग्लैंड की गौरवपूर्ण क्रांति तथा अमेरिका का स्वतंत्रता संग्राम का असर, यह सभी फ्रेंस की क्रांति के लिए मुख्य रूप से उत्तरदायी थे। फ्रांस की क्रांति के परिणामस्वरूप विश्व की सामाजिक तथा आर्थिक परिपेक्ष्य में कई परिवर्तन हुए जैसे-

(i) फ्रांस की क्रांति ने वहाँ की राजतंत्र को समाप्त कर जनतंत्र की स्थापना की ।

(ii) धार्मिक क्षेत्र में बुद्धिवाद का उदय हुआ तथा जनता को धार्मिक स्वतंत्रता प्रदान की गई।

(iii) राजा के दैवी अधिकार के सिद्धान्त को समाप्त कर जनतंत्र की स्थापना की।

(iv) व्यक्ति की महत्ता को बल दिया तथा मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों की स्थापना की।

(v) फ्रांस की क्रांति के फलस्वरूप समाजवाद का उदय हुआ तथा अमीरों की गरीबों का पक्ष लिया गया ।

(vi) अनेक प्रकार के करों की समाप्ति के फलस्वरूप वाणिज्य एवं व्यापार का विकास हुआ।

(vii) दास-प्रथा जैसी मानवता विरोधी प्रथा का अन्त हुआ।

(viii) पेरिस विश्वविद्यालय एवं कई शिक्षण संस्थान एवं शोध संस्थान की स्थापना हुई ।

(ix) नए राष्ट्रीय कैलेंडर की स्थापना हुई ।

(x) महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार प्रदान किए गए । फ्रांस की क्रांति का अन्य देशों पर बड़ा क्रांतिकारी प्रभाव पड़ा । इसके फलस्वरूप इटली, जर्मनी, पोलैंड तथा इंग्लैंड जैसे राष्ट्रों का प्रादुर्भाव हुआ । फ्रांस की क्रांति के बारे में कहा जाता है कि यह क्रांति निश्चयात्मक थी। कई इतिहासकारों ने 1789 ई. की फ्रांसीसी क्रांति एक मध्यम क्रांति थी । फ्रांस के मध्यम वर्ग के पास धन की कमी नहीं थी लेकिन सत्ता में उसकी कोई भागीदारी नहीं थी । 4 अगस्त, 1789 को जब नेशनल एसेम्बली द्वारा सामन्तवाद की समाप्ति हुई तो उसके द्वारा अपनाई गई आर्थिक तथा सामाजिक नीतियों ने स्पष्ट कर दिया कि क्रांति पर मध्यम वर्ग हावी हो गया है । इस क्रांति से मध्यम वर्ग को ही लाभ हुआ । साधारण जनता को मताधिकार नहीं दिया गया क्रांति का नारा स्वतंत्रता,समानता एवं बन्धुत्व का प्रयोग सामान्य जनता के लिए नहीं बल्कि मध्यम वर्ग के लोगों को विशेष अधिकार प्रदान करना था । जैकोबिन दल ने आतंक के राज्य के द्वारा सर्वहारा वर्ग को राजनैतिक तथा आर्थिक अधिकार दिलाने का अस्थाई प्रयास किया लेकिन वह सफल नहीं रहा ।

https://www.evidyarthi.in/

अत: उपरोक्त तथ्यों को देख इतिहासकारों का एक मत था कि फ्रांस की क्रांति मुख्यतः मध्यवर्गीय क्रांति थी क्योंकि मध्यम वर्ग के लोग ही इसके विशेष्य कारण के रूप में थे, क्रांति का नेतृत्व भी इन्होंने ही किया और सर्वाधिक लाभ भी इसी वर्ग को हुआ।

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/